Raja Mahendra Pratap Singh State University, Aligarh

Syllabus for M.A. Ist Year & IInd year (Sanskrit)

पाठ्यक्रम का निर्धारित प्रारूप एवं अंक योजना

Year	Semester	Course Code	Paper Title	Theory /Practical	Credit	Total
प्रथम	स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध	RA020101T	साहित्य शास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त	T	5	~~28~~ 24
		RA020102T	संस्कृत व्याकरण	T	5	
		RA020103T	भारतीय दर्शन (न्याय एवं सांख्य दर्शन)	T	5	
		RA020104T	वेद एवं वैदिक साहित्य	T	5	
		RA020105T	माइनर इलैक्टिव	T	4	
		RA020106R	रिसर्च प्रोजेक्ट (Topic Selection & Review of Litrature)	R	~~4~~	
प्रथम	स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध	RA020201T	उपनिषद् एवं निरूक्त	T	5	24 +4 = 28
		RA020202T	भाषा विज्ञान	T	5	
		RA020203T	भारतीय दर्शन (वेदान्त, बौद्ध, जैन एवं चार्वाक दर्शन)	T	5	
		RA020204T	साहित्य शास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र	T	5	
		RA020205R	रिसर्च प्रोजेक्ट (Submission & Evaluation)	R	4 +4	
द्वितीय	स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध (प्रथम दो प्रश्न पत्र अनिवार्य)	RA020301T	गीतिकाव्य एवं महाकाव्य	T	5	24
		RA020302T	प्राचीन भारतीय संस्कृति	T	5	
		RA020303T	(वर्ग क वैदिक वाङमय) वैदिक साहित्य	T	5	
		RA020304T	ब्राह्मण ग्रन्थ एवं इतिहास	T	5	
		RA020305T	(वर्ग–ख काव्य) संस्कृत नाट्य साहित्य के लक्षण एवं लक्ष्य ग्रन्थ	T	5	
	विद्यार्थी को वर्ग क,ख,ग, घ, ङ., च, छ, और ज में कोई एक वर्ग चुनना होगा	RA020306T	काव्य एवं उपरूपक साहित्य	T	5	
		RA020307T	(वर्ग–ग काव्यशास्त्र) साहित्य सिद्धान्त	T	5	
		RA020308T	रस सिद्धान्त	T	5	
		RA020309T	(वर्ग घ–दर्शन) भारतीय दर्शन एक परिचय	T	5	
		RA020310T	सांख्य दर्शन एवं वेदान्त दर्शन	T	5	
		RA020311T	(वर्ग ङ.– व्याकरण) व्याकरण	T	5	
		RA020312T	व्याकरण उद्योत	T	5	
		RA020313T	(वर्ग च– आयुर्वेद) चरक संहिता एवं आयुर्वेद का इतिहास	T	5	
		RA020314T	चरक संहिता एवं आयुर्वेद के सम्प्रदाय	T	5	

(x) – There is no need to allot Separate Code for Minor

(xx) – Research Project paper will be evaluated in II nd & IV Sem. (Credit & Score)

		RA020315T	(वर्ग–छ भारतीय पुराभिलेख शास्त्र तथापुरालिपि शास्त्र) पुराभिलेख शास्त्र	T	5	
		RA020316T	भारतीय पुराभिलेख शास्त्र तथा पुरालिपि शास्त्र	T	5	
		RA020317T	(वर्ग ज– ज्योतिष) भारतीय ज्योतिष	T	5	
		RA020318T	ज्योतिष शास्त्र एवं वैदिक ज्योतिष	T	5	
		RA020319R	रिसर्च प्रोजेक्ट (Topic Selection & Review of Litrature)	R	4	
द्वितीय	चतुर्थ सत्रार्द्ध (प्रथम दो प्रश्न पत्र अनिवार्य) वैकल्पिक आठ वर्गो में (क से ज तक) से जिस वर्ग का चयन विद्यार्थी द्वारा तृतीय सत्रार्द्ध में किया जायेगा, उसी वर्ग से दो प्रश्नपत्रों का चयन करना अनिवार्य है।	RA020401T	संस्कृत रूपक साहित्य	T	5	24
		RA020402T	भारतीय दर्शन एवं कलाएँ	T	5	
		RA020403T	(वर्ग–क–वैदिक वाङ्मय) वैदिक साहित्य (यजुर्वेद सहित)	T	5	
		RA020404T	श्रौतसूत्र एवं गृह्यसूत्र	T	5	
		RA020405T	(वर्ग ख– काव्य) संस्कृत महाकाव्य परम्परा	T	5	
		RA020406T	चम्पू काव्य एवं गद्य काव्य	T	5	
		RA020407T	(वर्ग ग– काव्यशास्त्र) साहित्य समीक्षा	T	5	
		RA020408T	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र	T	5	
		RA020409T	(वर्ग घ–दर्शन) भारतीय दर्शन की विविध धाराएँ	T	5	
		RA020410T	योग दर्शन एवं न्यायदर्शन	T	5	
		RA020411T	(वर्ग ड व्याकरण) व्याकरण एवं व्याकरण परम्परा	T	5	
		RA020412T	व्याकरण विमर्श	T	5	
		RA020413T	(वर्ग–च आयुर्वेद) आचार्य सुश्रुत एवं निदान शास्त्र	T	5	
		RA020414T	आयुर्वेद के सिद्धान्त एवं आधुनिक अध्ययन	T	5	
		RA020415T	(वर्ग–छ भारतीय पुराभिलेख शास्त्र तथा पुरालिपिशास्त्र) पुरालिपि शास्त्र एवं शिलालेख	T	5	
		RA020416T	शिलालेख एवं लेखन विधियॉ	T	5	
		RA020417T	(वर्ग ज–ज्योतिष) जन्म पत्र गणित	T	5	
		RA020418T	फलित ज्योतिष	T	5	
		RA020419R	रिसर्च प्रोजेक्ट (Submission & Evaluation)	R	4	

(डा0 पूनम जैन)
संयोजक
संस्कृत पाठ्यक्रम समिति

संस्कृत अध्ययन समिति

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़

माननीय कुलपति जी, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ के निर्देशानुसार संस्कृत विषय के स्नातकोत्तर स्तर पर सी0बी0सी0एस0 एवं सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित पाठ्यक्रम पर विचार–विमर्श करने हेतु आवश्यक बैठक दिनांक 31 मई, 2022 को गूगल मीट के माध्यम से https://meet.google.com/qif-mqcd-zfo लिंक से एवं दिनांक 01 जून 2022 को https://meet.google.com/buq-qszz-zdrलिंक से ऑनलाइन सम्पन्न हुई। बैठक में बाह्य विषय विशेषज्ञों एवं सदस्यों की ऑनलाइन उपस्थिति निम्नवत् रही–

1. डॉ0 पूनम जैन (संयोजिका)
   धर्म समाज महाविद्यालय, अलीगढ़
2. प्रो0 हिमांशु शेखर आचार्य (बाह्य विषय विशेषज्ञ)
   अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ
3. प्रो0 मौ0 शरीफ (बाह्य विषय विशेषज्ञ)
   अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
4. डा0 अजित कुमार जैन (सदस्य)
   श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़
5. डा0 सन्ध्या कुमारी (सदस्य)
   सेठ पी0सी0 बागला पी0जी0 कॉलिज, हाथरस ।
6. डा0 सुमन रघुवंशी (सदस्य)
   श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ
7. डा0ब्रजेन्द्र कुमार (सदस्य)
   के0ए0पी0जी0 कॉलिज, कासगंज
8. डॉ0 मधु (सदस्य)
   श्री रामेश्वर दास अग्रवाल कन्या पी0जी0 महाविद्यालय, हाथरस ।

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़ की संस्कृत अध्ययन समिति की बैठक दिनांक 31 मई, 2022 एवं दिनांक 01 जून 2022 का कार्यवृत्त –

1. स्नातकोत्तर स्तर पर सन् 2022–2023 सत्र में सी0बी0सी0एस0 एवं सेमेस्टर प्रणाली में पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जायेगा, अतः दिनांक 31 मई, 2022 को गूगल मीट पर ऑनलाइन अध्ययन समिति की बैठक आहुत की गयी, जिसमें स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध एवं द्वितीय सत्रार्द्ध के पाठ्यक्रम पर विचार विमर्श किया गया। दिनांक 01 जून, 2022 को पुनः अध्ययन समिति की बैठक आहुत की गयी, जिसमें स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध एवं चतुर्थ सत्रार्द्ध के पाठ्यक्रम पर विचार विमर्श किया गया ।

2. स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध के चार प्रश्नपत्र एवं द्वितीय सत्रार्द्ध के चार प्रश्नपत्र कुल आठ प्रश्नपत्र अनिवार्य पाठ्यक्रम के अन्तर्गत हैं, जिनमें से प्रत्येक का चयन संस्कृत के विद्यार्थी द्वारा अनिवार्य रूप से किया जायेगा ।

3. स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध के नवम एवं दशम प्रश्नपत्र तथा चतुर्थ सत्रार्द्ध के त्रयोदश एवं चतुर्दश प्रश्न पत्र भी अनिवार्य हैं, जिनका स्नातकोत्तर के विद्यार्थी को अनिवार्य रूप से अध्ययन करना है।

4 स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध के एकादश, द्वादश एवं चतुर्थ सत्रार्द्ध के पंचदश एवं षोडश प्रश्न पत्र वैकल्पिक होंगे। स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध एवं चतुर्थ सत्रार्द्ध में वैकल्पिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आठ वर्ग है, जो इस प्रकार है– (क) वैदिक वाङ्मय (ख) काव्य (ग) काव्यशास्त्र (घ) दर्शन (ङ) व्याकरण (च) आयुर्वेद (छ) भारतीय पुराभिलेख शास्त्र तथा पुरालिपिशास्त्र (ज) ज्योतिष। किसी एक वर्ग में से 2 प्रश्नपत्र (एकादश एवं द्वादश) तृतीय सत्रार्द्ध में एवं 2 प्रश्नपत्र (पंचदश एवं षोडश) चतुर्थ सत्रार्द्ध में विद्यार्थी को अध्ययन करना होगा। तृतीय सत्रार्द्ध के वैकल्पिक आठ वर्गों में से जिस वर्ग का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जायेगा, उसी

वर्ग का चयन विद्यार्थी द्वारा चतुर्थ सत्रार्द्ध के वैकल्पिक पाठ्क्रम के वर्ग से किया जाना अनिवार्य है। इस प्रकार चार प्रश्नपत्र चयनित वैकल्पिक वर्ग से विद्यार्थी को अध्ययन करना अनिवार्य रहेगा ।

5. स्नातकोत्तर स्तर पर कुल सोलह प्रश्नपत्र संस्कृत विषय में होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र पांच क्रेडिट का होगा । एक सत्रार्द्ध में मुख्य विषय (संस्कृत) के पेपर्स के 20 क्रेडिट होंगे । एक वर्ष में 40 एवं दो वर्ष में 80 क्रेडिट होंगे ।

6. स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में विद्यार्थी को केवल एक माइनर इलेक्टिव प्रश्नपत्र, मुख्य विषय से अलग किसी अन्य संकाय के विषय का, लेना होगा। यह प्रश्नपत्र चार क्रेडिट का हेागा ।

7. उच्च शिक्षा के चतुर्थ एवं पंचम वर्ष (स्नातकोत्तर के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष) में विद्यार्थी को बृहद् शोध परियोजना ,जो चुने गये मुख्य विषय संस्कृत से सम्बन्धित होगी, करनी होगी। शोध परियोजना प्रति वर्ष (स्नातकोत्तर के प्रथम एवं द्वितीय दोनों वर्षों में) 8–8 क्रेडिट की होगी ।

8. विद्यार्थी वर्ष के अन्त में दोनों सेमेस्टर में की गयी शोध परियोजना का संयुक्त प्रबन्ध जमा करेगा, जिसका मूल्यांकन वर्ष के अन्त में सुपरवाईजर एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों में से किया जायेगा। इस परीक्षा के कुल 8 क्रेडिट हेांगे ।

9. पाठ्यक्रम, शोध परियोजना आदि विषयों पर बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने अपनी सहमति व्यक्त की।

10. अन्त में, धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई ।

Poonam Jain

(डा0पूनम जैन)
संयोजिका
संस्कृत अध्ययन समिति

दिनांक.
03.07.2022

सम्मानित साथियों, पूर्व में हुई ऑनलाइन बैठकों में आप सभी के सुझावों से पाठ्यक्रम तैयार हो गया है । राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय ,अलीगढ़ में पाठ्यक्रम को प्रस्तुत करने से पूर्व आप सभी के अवलोकनार्थ एक आवश्यक बैठक दिनांक 5 जुलाई, 2022 को प्रातः 11:00 बजे संस्कृत विभाग धर्म समाज महाविद्यालय , अलीगढ़ में आहूत की जा रही है । कृपया अनिवार्य रूप से समय पर पहुंचकर अनुग्रहीत करें ।

सधन्यवाद

Poonam Jain

डॉ .पूनम जैन

PROPOSED PLAN FOR CREDIT DISTRIBUTION FOR STUDENTS ENROLL FOR NON-PRACTICAL SUBJECTS (M.A./M.COM.

YEAR	NAME OF DEGREE	SEMISTER	PAPER	MAX MARKS			CREDITS	TOTAL CREDITS/ SEMISTER	TOTAL CREDITS
				EXTERNAL	INTERNAL	Total			
4	MASTER IN FACULTY (BACHELOR (RESEARCH) If leave in IV year)	VII	C1	75	25	100	5	24	52
			C2	75	25	100	5		
			C3	75	25	100	5		
			C4	75	25	100	5		
			MINOR	75	25	100	4		
		VIII	C5	75	25	100	5	28	
			C6	75	25	100	5		
			C7	75	25	100	5		
			C8	75	25	100	5		
			RESEARCH PROJECT			100	8		
5	MASTER in Faculty	IX	C9	75	25	100	5	20	48
			C10	75	25	100	5		
			C11	75	25	100	5		
			C12	75	25	100	5		
		X	C13	75	25	100	5	28	
			C14	75	25	100	5		
			C15	75	25	100	5		
			C16	75	25	100	5		
			RESEARCH PROJECT			100	8		
6	P.G.D.R	XI	C1	75	25	100	6	16	16
			C2	75	25	100	6		
			RESEARCH METHODOLOGY*			100	4		
			RESEARCH PROJECT				QUALIFYING		

* Research Methodology also includes computer applica[illegible]n

स्नातकोत्तर संस्कृत का पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर में प्रथम सत्रार्द्ध एवं द्वितीय सत्रार्द्ध में आठों प्रश्नपत्र अनिवार्य हैं।

स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

चतुर्थ प्रश्नपत्र– वेद एवं वैदिक साहित्य

प्रथम खण्ड– ऋग्वेद सूक्त– –20

अश्विनी सूक्त (1, 116), इन्द्र सूक्त (2.12)

विश्वामित्र नदी संवाद (3, 33), उषस् (5, 80)

पूषन् (6, 53)

द्वितीय खण्ड– अथर्ववेद सूक्त' –20

मेधाजननम् सूक्त (1,1) शत्रुनाशनम् सूक्त (2, 12)

सत्यानृत समीक्षक (वरूण) (4, 17), सर्पविषनाशनम् (5, 13)

राष्ट्रसभा (6, 12)

तृतीय खण्ड– पाणिनीय शिक्षा –20

चतुर्थ खण्ड– वैदिक साहित्य का इतिहास (संहिता, ब्राह्मण एवं आरण्यक)–15

स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

द्वितीय प्रश्नपत्र– संस्कृत व्याकरण

प्रथम खण्ड– संज्ञा एवं परिभाषा (सिद्धान्तकौमुदी) –20

द्वितीय खण्ड– कारक एवं विभक्त्यर्थ प्रकरण (सिद्धान्त कौमुदी) –20

तृतीय खण्ड– समास प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी) –20

चतुर्थ खण्ड– स्त्री प्रत्यय (सिद्धान्त कौमुदी) –15

05/07/12

H. S. Acharya

स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध

(पूर्णांक: 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

तृतीय प्रश्नपत्र– भारतीय दर्शन (न्याय एवं सांख्य दर्शन)

प्रथम खण्ड–	सांख्यकारिका– 1 से 30 कारिका पर्यन्त	–20
द्वितीय खण्ड–	सांख्यकारिका –31 से अन्त तक	–20
तृतीय खण्ड–	तर्कभाषा– प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त	–20
चतुर्थ खण्ड–	तर्कभाषा–अनुमान से प्रामाण्यवाद पर्यन्त	–15

स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध

(पूर्णांक: 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

प्रथम प्रश्नपत्र– साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त

प्रथम खण्ड–	साहित्यशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थ एवं प्रमुख सिद्धान्तों का संक्षिप्त परिचय	–20
द्वितीय खण्ड–	भरत–नाट्यशास्त्र (प्रथम अध्याय)	–20
तृतीय खण्ड–	आनन्दवर्धन–ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)	–20
चतुर्थ खण्ड–	भामह–काव्यालंकार (प्रथम अध्याय)	–15

25/07/22

H. S. Acharya

स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

पंचम प्रश्नपत्र–उपनिषद् एवं निरूक्त

प्रथम खण्ड–	तैत्तिरीयोपनिषद् (3,1–10) भार्गवी वारुणी विद्या	–20
द्वितीय खण्ड–	निरुक्त प्रथम एवं द्वितीय अध्याय	–20
तृतीय खण्ड–	निरुक्त सप्तम अध्याय	–20
चतुर्थ खण्ड–	उपनिषद् एवं वेदांगों का सामान्य परिचय	–15

स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

षष्ठ प्रश्नपत्र–भाषा विज्ञान

प्रथम खण्ड–	भाषा का उद्भव, विकास एवं भाषा परिवर्तन, भाषाओं का वर्गीकरण	–20
द्वितीय खण्ड–	ध्वनि विज्ञान, ध्वनि नियम	–20
तृतीय खण्ड–	वाक्य एवं अर्थ विज्ञान	–20
चतुर्थ खण्ड–	पालि–प्राकृत	–15

05/07/22

H. S. Acharya

स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

सप्तम प्रश्नपत्र–भारतीय दर्शन (वेदान्त, बौद्ध, जैन एवं चार्वाक दर्शन)

प्रथम खण्ड– वेदान्तसार (सदानन्दकृत) प्रारम्भ से अध्यारोप पर्यन्त –20

द्वितीय खण्ड– वेदान्तसार (सदानन्दकृत) सृष्टि प्रक्रिया से विदेहमुक्ति तक –20

तृतीय खण्ड– बौद्ध, जैन एवं चार्वाक दर्शनों का तुलनात्मक अध्ययन (सर्वदर्शन संग्रह के आधार पर) प्रमाण मीमांसा, तत्व मीमांसा एवं आचार मीमांसा –20

चतुर्थ खण्ड– भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय –15

स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

अष्टम प्रश्नपत्र– साहित्य शास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र

प्रथम खण्ड– विश्वनाथ–साहित्यदर्पण–द्वितीय परिच्छेद –20

द्वितीय खण्ड– मम्मट–काव्यप्रकाश (चतुर्थ उल्लास) –20

तृतीय खण्ड– मम्मट–काव्य प्रकाश (नवम, दशम उल्लास से अधोलिखित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण तथा दो अलकारों में परस्पर अन्तर–अनुप्रास, यमक, श्लेष, दीपक, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, तुल्ययोगिता, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, समासोक्ति, सन्देह एवं भ्रान्तिमान् –20

चतुर्थ खण्ड– दण्डी–काव्यादर्श (प्रथम परिच्छेद) –15

05/07/22

H.S. Acharya

स्नातकोत्तर (तृतीय सत्रार्द्ध एवं चतुर्थ सत्रार्द्ध)

स्नातकोत्तर (संस्कृत) के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत नवम एवं दशम प्रश्नपत्र तृतीय सत्रार्द्ध में तथा त्रयोदश एवं चतुर्दश प्रश्नपत्र चतुर्थ सत्रार्द्ध में अनिवार्य हैं। तृतीय सत्रार्द्ध में एकादश एवं द्वादश प्रश्नपत्र के लिए निम्नलिखित आठ वर्गों में से विद्यार्थी को किसी एक वर्ग का चयन करना है। चतुर्थ सत्रार्द्ध में वैकल्पिक आठ वर्गों में से जिस वर्ग का चयन विद्यार्थी द्वारा तृतीय सत्रार्द्ध में किया जायेगा, उसी वर्ग से पंचदश एवं षोडश प्रश्नपत्र का चयन करना अनिवार्य रहेगा । निम्नलिखित आठ वर्गों में से किसी एक वर्ग का चयन विद्यार्थी को करना होगा ।

वर्ग क– वैदिक वांग्मय

वर्ग ख– काव्य

वर्ग ग– काव्यशास्त्र

वर्ग घ– दर्शन

वर्ग ङ– व्याकरण

वर्ग च– आयुर्वेद

वर्ग छ– भारतीय पुराभिलेख शास्त्र एवं पुरालिपि शास्त्र

वर्ग ज– ज्योतिष

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

नवम प्रश्नपत्र– गीतिकाव्य एवं महाकाव्य

प्रथम खण्ड– मेघदूत (पूर्वमेघ)	20
द्वितीय खण्ड– मेघदूत (उत्तरमेघ)	20
तृतीय खण्ड– नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग)	20
चतुर्थ खण्ड– गीतिकाव्य एवं महाकाव्य का इतिहास	15

H. S. Acharya

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

दशम प्रश्नपत्र– प्राचीन भारतीय संस्कृति

प्रथम खण्ड– संस्कृति का अभिप्राय, भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ, संस्कृति एवं सभ्यता में अन्तर 20

द्वितीय खण्ड– वैदिक एवं उपनिषद्कालीन संस्कृति 20

तृतीय खण्ड– रामायण एवं महाभारतकालीन संस्कृति 20

चतुर्थ खण्ड– मौर्यकालीन एवं गुप्तकालीन संस्कृति 15

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (क)– वैदिक वांग्मय

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

एकादश प्रश्नपत्र– वैदिक साहित्य

प्रथम खण्ड– ऋग्वेद सूक्त 20

अग्नि 1–19, मरुत् 5–57, पर्जन्य– 5, 83,

सरस्वती– 7, 95, सरमा पणि– 10, 108

द्वितीय खण्ड– अथर्ववेद सूक्त 20

ब्रह्मचारिसूक्तम् 11, 5 सूर्यासूक्तम 14,1

कृमिनाशनम् 2, 32, दीर्घायुप्राप्ति 3, 11

अभय–याचना 6–50

तृतीय खण्ड– ऋग्वेद का परिचय 20

चतुर्थ खण्ड– अथर्ववेद का परिचय 15

05/07/22

H. S. Acharya

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (क)–वैदिक वांग्मय

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

द्वादश प्रश्नपत्र– ब्राह्मण ग्रन्थ एवं इतिहास

प्रथम खण्ड– शतपथ ब्राह्मण (खण्ड–पंचम, बाजपेय)	20
द्वितीय खण्ड–शतपथ ब्राह्मण(खण्ड पंचम, राजसूय)	20
तृतीय खण्ड– ऐतरेय ब्राह्मण– अध्याय 33 हरिश्चन्द्रोपाख्यान	20
चतुर्थ खण्ड– ब्राह्मण साहित्य का इतिहास	15

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (ख)– काव्य

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

एकादश प्रश्नपत्र– संस्कृत नाट्य साहित्य के लक्षण एवं लक्ष्य ग्रन्थ

प्रथम खण्ड– मुद्राराक्षस नाटक	20
द्वितीय खण्ड–दशरूपक–प्रथम प्रकाश	20
तृतीय खण्ड– दशरूपक–चतुर्थ प्रकाश	20
चतुर्थ खण्ड– संस्कृत नाटक का उद्भव एवं विकास	15

05/07/22

H. S. Acharya

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (ख) – काव्य

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

द्वादश प्रश्नपत्र– काव्य एवं उपरूपक साहित्य

प्रथम खण्ड– हर्षचरितम्	20
द्वितीय खण्ड–सौन्दर्यलहरी	20
तृतीय खण्ड– रत्नावली नाटिका	20
चतुर्थ खण्ड– उपयुक्त ग्रन्थों के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न	15

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (ग)– काव्यशास्त्र

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

एकादश प्रश्नपत्र– साहित्य सिद्धान्त

प्रथम खण्ड– काव्य प्रकाश–द्वितीय उल्लास	20
द्वितीय खण्ड–काव्य प्रकाश–चतुर्थ उल्लास	20
तृतीय खण्ड– काव्यादर्श–द्वितीय परिच्छेद	20
चतुर्थ खण्ड– काव्यशास्त्र का उद्भव एवं विकास	15

H.S. Acharya

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (ग)–काव्यशास्त्र

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

द्वादश प्रश्नपत्र– रस सिद्धान्त

प्रथम खण्ड– रसगंगाधर (प्रथम आनन)	20
द्वितीय खण्ड–अभिनव भारती (रससूत्र)	20
तृतीय खण्ड– दशरूपक (चतुर्थ प्रकाश)	20
चतुर्थ खण्ड– रस सिद्धान्त एवं विविध व्याख्याएँ	15

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (घ)–दर्शन

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

एकादश प्रश्नपत्र– भारतीय दर्शन–एक परिचय

प्रथम खण्ड–	दार्शनिक साहित्य–उद्भव एवं विकास	15
द्वितीय खण्ड–	दर्शन की प्रासंगिकता (दार्शनिक विश्लेषण, दर्शन तथा पर्यावरण, जीवन में दर्शन की उपयोगिता)	20
तृतीय खण्ड–	ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य–प्रथम एवं द्वितीय अध्याय	20
चतुर्थ खण्ड–	ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य–तृतीय एवं चतुर्थ अध्याय	20

A. S. Acharya

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (घ)– दर्शन

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

द्वादश प्रश्नपत्र –सांख्यदर्शन एवं वेदान्त दर्शन

प्रथम खण्ड– सांख्यकारिका (1–30) सांख्यतत्व कौमुदी प्रभा सहित	20
द्वितीय खण्ड–सांख्यकारिका (31 से 72 तक)सांख्यतत्व कौमुदी प्रभा सहित	20
तृतीय खण्ड– वेदान्त परिभाषा–प्रत्यक्ष परिच्छेद	20
चतुर्थ खण्ड– सांख्य दर्शन एवं वेदान्त दर्शनका इतिहास	15

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (ङ)– व्याकरण

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

एकादश प्रश्नपत्र– व्याकरण

प्रथम खण्ड–	तिङन्त (सिद्धान्त कौमुदी)	20
द्वितीय खण्ड–	सुबन्त (सिद्धान्त कौमुदी)	20
तृतीय खण्ड–	समास (सिद्धान्त कौमुदी)	20
चतुर्थ खण्ड–	व्याकरण शास्त्र का इतिहास (पाणिनि, कात्यायन एवं पतंजलि)	15

05/07/22

H.S. Acharya

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (ङ)– व्याकरण

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

द्वादश प्रश्नपत्र– व्याकरण उद्योत

प्रथम खण्ड– महाभाष्य पस्पशान्हिक मात्र (प्रदीप उद्योतटीका सहित)	20
द्वितीय खण्ड–वाक्य पदीय–प्रथम काण्ड (1–25) (स्वोपज्ञटीका सहित)	20
तृतीय खण्ड– वाक्यपदीय-प्रथम काण्ड–(26–50) (स्वोपज्ञटीका सहित)	20
चतुर्थ खण्ड– वैयाकरण भूषणसार–स्फोट प्रकरण (कौण्डभट्टकृत)	15

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (च) आयुर्वेद

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

एकादश प्रश्नपत्र– चरक संहिता एवं आयुर्वेद का इतिहास

प्रथम खण्ड–	चरक संहिता-सूत्र स्थान(अध्याय 1–2)	20
द्वितीय खण्ड–	चरक संहिता-सूत्र स्थान (अध्याय 3–4)	20
तृतीय खण्ड–	चरक संहिता-शरीर स्थान(अध्याय–1)	20
चतुर्थ खण्ड–	आयुर्वेद का इतिहास (चरक पूर्व)	15

05/07/22

H. S. Acharya

(17)

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (च) आयुर्वेद

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

द्वादश प्रश्नपत्र– चरक संहिता एवं आयुर्वेद के सम्प्रदाय

प्रथम खण्ड– चरक संहिता-सूत्रस्थान-अध्याय 5–6	20
द्वितीय खण्ड–चरक संहिता-सूत्रस्थान-अध्याय–7–8	20
तृतीय खण्ड– चरक संहिता-शरीर स्थान-अध्याय 2	20
चतुर्थ खण्ड– आयुर्वेद के सम्प्रदाय (धन्वन्तरि एवं पुनर्वसु)	15

16/7/22

H.S. Acharya

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (छ) भारतीय पुराभिलेखशास्त्र तथा पुरालिपि शास्त्र

(पूर्णांकः 100—75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

एकादश प्रश्नपत्र— पुराभिलेख शास्त्र

प्रथम खण्ड—	भारतीय पुराभिलेख शास्त्र के सर्वेक्षण (अभिलेखों के प्रकार, लेखन सामग्री, लेखन कला की प्राचीनता)	20
द्वितीय खण्ड—	भारतीय पुराभिलेखशास्त्रीय गतिविधियों के स्थल (मध्य एशिया, कम्बोडिया, वर्मा)	20
तृतीय खण्ड—	अशोक के प्रारम्भिक 7 प्रमुख प्रस्तर राजादेशों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं अर्थोद्घाटन	20
चतुर्थ खण्ड—	शिलालेखों का ऐतिहासिक महत्व	15

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (छ) भारतीय पुराभिलेखशास्त्र तथा पुरालिपि शास्त्र

(पूर्णांकः 100—75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

द्वादश प्रश्नपत्र— पुराभिलेख शास्त्र एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संस्था

प्रथम खण्ड—	भारतीय पुराभिलेखशास्त्रीय गतिविधियों के स्थल (थाइलैण्ड, इण्डोनेशिया, श्रीलंका)	20
द्वितीय खण्ड—	अशोक के शेष 7 प्रमुख प्रस्तर राजादेशों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं अर्थोद्घाटन	20
तृतीय खण्ड—	अशोक के 6 प्रमुख स्तम्भ लेखों का अध्ययन एवं अर्थोद्घाटन	20
चतुर्थ खण्ड—	भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संस्था का योगदान	15

5/07/22

H. S. Acharya

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (ज) ज्योतिष

(पूर्णांकः 100—75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

एकादश प्रश्नपत्र— भारतीय ज्योतिष

प्रथम खण्ड— ज्योतिषशास्त्र का उद्भव और विकास	20
द्वितीय खण्ड—ज्योतिष स्कन्धत्रय	20
तृतीय खण्ड— लघु जातकम्	20
चतुर्थ खण्ड— ज्योतिष शास्त्र की उपादेयता	15

स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध

वर्ग (ज) ज्योतिष

(पूर्णांकः 100—75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

द्वादश प्रश्नपत्र— ज्योतिषशास्त्र एवं वैदिक ज्योतिष

प्रथम खण्ड— ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्तक आचार्य (आर्यभट्ट, वराहमिहिर)	20
द्वितीय खण्ड— ज्योतिषशास्त्र के प्राचीन आचार्य (भास्कराचार्य, गणेश देवज्ञ)	20
तृतीय खण्ड— नवग्रहचरः (वृहत्संहिता के आधारपर)	20
चतुर्थ खण्ड— ज्योतिषशास्त्र का वैदिक महत्व	15

H. S. Acharya

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

(पूर्णांकः 100—75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

त्रयोदश प्रश्नपत्र— संस्कृत रूपक साहित्य

प्रथम खण्ड— मृच्छकटिकम्-1 से 5 अंक	20
द्वितीय खण्ड—मृच्छकटिकम्-6 से 10अंक पर्यन्त	20
तृतीय खण्ड— वेणीसंहार	20
चतुर्थ खण्ड— संस्कृत नाट्य साहित्य का इतिहास	15

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

(पूर्णांकः 100—75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

चतुर्दश प्रश्नपत्र— भारतीय दर्शन एवं कलाएँ

प्रथम खण्ड— सांख्य, योग, वेदान्त दर्शन	20
द्वितीय खण्ड—न्याय, वैशेषिक, मीमांसा दर्शन	20
तृतीय खण्ड— वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला	20
चतुर्थ खण्ड— संगीतकला, नृत्य कला एवं अभिनय कला	15

5/07/22

H.S.Acharya

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग (क)–वैदिक वांग्मय

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

पंचदश प्रश्नपत्र– वैदिक साहित्य (यजुर्वेद सहित)

प्रथम खण्ड– ऋग्वेद सूक्त

सूर्यसूक्त 1, 50, मित्र सूक्त 3, 59, विष्णु सूक्त 1,154

हिरण्यगर्भ सूक्त 10, 121, नासदीय सूक्त 10, 129 20

द्वितीय खण्ड– अथर्ववेद सूक्त

महद् 1–32, परमधारा (वेनसूक्त) 2,1

दुःस्वप्नाशनम् 19, 57, रात्रिसूक्तम् 19, 53

रूधिर स्रावनिवर्तनम् 1,17 20

तृतीय खण्ड– शुक्ल यजुर्वेद सूक्त 20

34वॉं अध्याय (शिव संकल्प सूत्र) 1–6 मन्त्र

23वॉं अध्याय (प्रजापति) 1–5 देवताक मन्त्र

चतुर्थ खण्ड– वैदिक साहित्य का इतिहास – यजुर्वेद के विशेष सन्दर्भ में 15

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग –क वैदिक वांग्मय

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

षोडश प्रश्नपत्र– श्रौतसूत्र एवं गृहयसूत्र

प्रथम खण्ड– आपस्तम्ब श्रौतसूत्र (1,2, 3 प्रश्न) 20

द्वितीय खण्ड– आश्वलायन गृहयसूत्र (प्रथम अध्याय) 20

तृतीय खण्ड– आश्वलायन गृहयसूत्र (द्वितीय अध्याय) 20

चतुर्थ खण्ड– श्रौतसूत्र एवं गृहयसूत्र ग्रन्थों का परिचय 15

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग –ख –काव्य

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

पंचदश प्रश्नपत्र– संस्कृत महाकाव्य परम्परा

प्रथम खण्ड– कुमारसंभव-पंचम सर्ग	20
द्वितीय खण्ड– शिशुपालवध – प्रथम सर्ग	20
तृतीय खण्ड– विक्रमांकदेवचरितम् (विल्हण)-प्रथम सर्ग	20
चतुर्थ खण्ड– संस्कृत महाकाव्य परम्परा का इतिहास	15

H.S. Acharya

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग –ख काव्य

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

षोडश प्रश्नपत्र– चम्पू काव्य एवं गद्य काव्य

प्रथम खण्ड– नल चम्पू (प्रथम उच्छवास)	20
द्वितीय खण्ड–घटकर्पर काव्य	15
तृतीय खण्ड– कादम्बरी कथामुख	20
चतुर्थ खण्ड– चम्पू काव्य एवं गद्य काव्य का उद्भव एवं विकास	20

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग –ग– काव्यशास्त्र

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

पंचदश प्रश्नपत्र– साहित्य समीक्षा

प्रथम खण्ड– वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष)	20
द्वितीय खण्ड–ध्वन्यालोक – द्वितीय उद्योत	20
तृतीय खण्ड– साहित्यदर्पण–अष्टम परिछेद	20
चतुर्थ खण्ड– काव्य शास्त्र के षड् सम्प्रदाय	15

25/07/22

H. S. Acharya

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग –ग काव्यशास्त्र

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

षोडश प्रश्नपत्र– भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्रथम खण्ड– भरत–नाट्यशास्त्र (6 एवं 7 अध्याय)	20
द्वितीय खण्ड–आचार्य वामन एवं आचार्य क्षेमेन्द्र का संस्कृत काव्यशास्त्र में योगदान	20
तृतीय खण्ड– पाश्चात्य काव्यशास्त्री–प्लेटो तथा अरस्तू	20
चतुर्थ खण्ड– भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन (काव्यलक्षण, काव्य–प्रयोजन एवं काव्य हेतु)	15

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग घ दर्शन

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

पंचदश प्रश्नपत्र– भारतीय दर्शन की विविध धाराएँ

प्रथम खण्ड– जैन दर्शन (सर्वदर्शन संग्रह)	20
द्वितीय खण्ड–बौद्ध दर्शन (सर्वदर्शन संग्रह)	20
तृतीय खण्ड– चार्वाक दर्शन (सर्वदर्शन संग्रह)	20
चतुर्थ खण्ड– दर्शन शास्त्र का इतिहास–चार्वाक, बौद्ध एवं जैन दर्शन के सन्दर्भ में	15

H.S. Acharya

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग (घ) दर्शन

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

षोडश प्रश्नपत्र– योग दर्शन एवं न्याय दर्शन

प्रथम खण्ड– पातंजल योग दर्शन (प्रथम पाद) व्यास भाष्य सहित	20
द्वितीय खण्ड–पातंजल योग दर्शन (द्वितीय पाद) व्यास भाष्य सहित	20
तृतीय खण्ड– न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड)	20
चतुर्थ खण्ड– योग दर्शन एवं न्याय दर्शन का परिचय	15

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग(ङ)व्याकरण

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

पंचदश प्रश्नपत्र– व्याकरण एवं व्याकरण परम्परा

प्रथम खण्ड– परिभाषेन्दु शेखर–शास्त्रत्व प्रकरण	20
द्वितीय खण्ड–परिभाषेन्दु शेखर–बाधबीज प्रकरण	20
तृतीय खण्ड– न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (शब्द खण्ड)	20
चतुर्थ खण्ड– पूर्व पाणिनि व्याकरण परम्परा	15

5/07/22

H. S. Acharya

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग –ड\व्याकरण

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

षोडश प्रश्नपत्र–व्याकरण विमर्श

प्रथम खण्ड– तद्धित प्रकरण – लघुसिद्धान्त कौमुदी	20
द्वितीय खण्ड–कृदन्त प्रकरण– लघुसिद्धान्त कौमुदी	20
तृतीय खण्ड– परमलघूमंजूषा–शक्ति प्रकरण(नागेशभट्टकृत)	20
चतुर्थ खण्ड– व्याकरण दर्शन का उद्भव एवं विकास (पतंजलि, भर्तृहरि, कौण्डभट्ट एवं नागेश भट्ट के सन्दर्भ में)	15

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग –च आयुर्वेद

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

पंचदश प्रश्नपत्र– आचार्य सुश्रुत एवं निदानशास्त्र

प्रथम खण्ड– सुश्रुत संहिता–शरीर स्थान	20
द्वितीय खण्ड–सुश्रुत संहिता–अध्याय 65	20
तृतीय खण्ड– माधव निदान–अध्याय–1	20
चतुर्थ खण्ड– चिकित्सा पद्धति में निदानशास्त्र की उपयोगिता	15

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग –च– आयुर्वेद

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

षोडश प्रश्नपत्र– आयुर्वेद के सिद्धान्त एवं आधुनिक अध्ययन

प्रथम खण्ड– आयुर्वेदीय मूल सिद्धान्त	20
द्वितीय खण्ड–आधुनिक अध्ययन एवं उसकी उपयोगिता	20
तृतीय खण्ड– अन्य चिकित्सा पद्धतियां (प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग)	20
चतुर्थ खण्ड– चिकित्सा प्रणाली में आयुर्वेद पद्धति का स्थान	15

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग– छ-भारतीय पुराभिलेख शास्त्र तथा पुरालिपिशास्त्र

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

पंचदश प्रश्नपत्र– पुरालिपिशास्त्र एवं शिलालेख

प्रथम खण्ड– भारत में लिपि विज्ञान (ब्राह्मी एवं खरोष्ट्री लिपिकी उत्पत्ति एवं विकास)	20
द्वितीय खण्ड– भारतीय लेखन कला का इतिहास	20
तृतीय खण्ड– संस्कृत शिलालेखों की साहित्य काल निर्धारण में उपयोगिता	20
चतुर्थ खण्ड– गुप्तकालीन शिलालेख (साहित्यिक एवं भाषा वैज्ञानिक महत्व)	15

H. S. Acharya

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग छ– भारतीय पुराभिलेख शास्त्र तथा पुरालिपिशास्त्र

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

षोडश प्रश्नपत्र– शिलालेख एवं लेखन विधियां

प्रथम खण्ड– गुप्त कालीन शिलालेख	20
(ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व)	
द्वितीय खण्ड–गुप्तकालोत्तरवर्ती शिलालेखों का अर्थोद्घाटन	20
तृतीय खण्ड– प्राचीन एवं आधुनिक लेखन विधियां	
(ताडपत्र, भोज पत्र, ताम्रपत्र, कागज, प्रेस, डिजिटल विधि	20
चतुर्थ खण्ड– लिपि संरक्षण के प्रकार	15

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग ज– ज्योतिष

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

पंचदश प्रश्नपत्र– जन्मपत्रगणित

प्रथम खण्ड– पंचांग परिचय	20
द्वितीय खण्ड–इष्टकाल एवं लग्नानयन साधन	20
तृतीय खण्ड– ग्रह स्पष्टीकरण	20
चतुर्थ खण्ड– भयातभभोग साधन	15

H. S. Acharya

स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध

वर्ग –ज – ज्योतिष

(पूर्णांकः 100–75 अंक बाह्य मूल्यांकन + 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)

षोडश प्रश्नपत्र– फलित ज्योतिष

प्रथम खण्ड– लघु पाराशरी (सम्पूर्ण)	20
द्वितीय खण्ड–जातकालंकार	20
तृतीय खण्ड– जातक पारिजात (राजभोगाध्याय)	15
चतुर्थ खण्ड– पंचस्वरा	20